



शेंदुर लाल चढायो अच्छा गजमुखको।
दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरीहरको।
हाथ लिए गुडलडू साँई सुरवरको।
महिमा कहे न जाय लागत हूँ पदको॥
जय देव जय देव, जय जय श्री गणराज।

विद्या सुखदाता, धन्य तुम्हारा दर्शन, मेरा मन रमता ॥ जय देव जय देव ॥

अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरी।
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी।
कोटीसूरजप्रकाश ऐसी छबि तेरी।
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारी॥
जय देव जय देव, जय जय श्री गणराज।

विद्या सुखदाता, धन्य तुम्हारा दर्शन, मेरा मन रमता ॥ जय देव जय देव ॥



Ⓜ www.MandirTheTemple.com

📷 Instagram: @MandirTheTemple

📺 YouTube: @MandirTheTemple

📘 Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



शेंदुर लाल चढ़ायो आरती

Shendur Lal Chadhayo Aarti • MandirTheTemple.com



भावभगत से कोई शरणागत आवे।
संतत संपत सबही भरपूर पावे।
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे।
गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे॥
जय देव जय देव, जय जय श्री गणराज।
विद्या सुखदाता, धन्य तुम्हारा दर्शन, मेरा मन रमता ॥ जय देव जय देव ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें